केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 86 शनिवार 19 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रतिमा विसर्जन कर घर पहुँचे युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के रैनिया गाँव निवासी संजय पुत्र राम सागर (18) वर्ष गुरुवार को देर शाम माँ दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के लिए गया था। रात में घर वापस आने के बाद भोजन कर सोने के लिए चला गया।शुक्रवार की सुबह माँ गायत्री देवी ने देखा कि उनके साड़ी का फंदा बनाकर पंखे से लटककर बेटे का शव झूल रहा है। बेटे को फाँसी के फंदे पर झूलता हुआ देख कर माँ ने शोर मचाया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुँचे चौकी प्रभारी कुदरहा राम अशोक यादव ने शव को कब्ज्रे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक चार बहनों में इकलौता भाई था जिसमें दो बहनों की शादी हो चुकी है और मृतक संजय मेहनत मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था।मृतक संजय किन परिस्थितियों में फाँसी लगाकर खुदकुशी कर ली इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है।

बजाज चीनी मिल रुधौली में शुरू हुआ शरद कालीन गन्ने की बुवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मिल क्षेत्र के भितेहरा ग्राम में गन्ना महाप्रबंधक शैलेंद्र त्रिपाठी ने प्रगतिशील किसान हिसाबुल्लाह के खेत में शरद कालीन गन्ने की बुवाई का शुभारंभ किया। महाप्रबंधक ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि गन्ने के साथ में सह फसली के रूप में सरसों धनिया अन्य खेती करके किसान अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं जिससे मिल के द्वारा सरसों का बीज कीटनाशक और ट्राइकोडर्मा 30: की छूट पर दिया जा रहा है। और शरद कॉलिंग गन्ने की बुवाई करने से किसानों को अधिक उपज मिलता है साथ ही साथ उन्हें सप्ताई में भी पेडी गन्ने के साथ में ही पर्ची उपलब्ध कराई जाती है। इस मौके पर अतिरिक्त गाना प्रबंधक अरविंद द्विवेदी गन्ना उप प्रबंधक राजेश सिंह मिल सुपरवाइजर राजेश चौधरी अतुल वर्मा के साथ मोहम्मद अकरम प्रेम कुमार राजकुमार धर्मराज वर्मा शिव शंकर आदि किसान उपस्थित रहे।

सरसों बीज मिनी किट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी के प्रांगण में स्थित बीज गोदाम से रबी फसल के बुआई सत्र में सरसों बीज मिनी किट का वितरण किया गया है।सरसों मिनी किट वितरण रघुनाथ सिंह प्रमुख प्रतिनिधि एवं खंड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ल की अध्यक्षता में किसानों को वितरित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अरुण कुमार मौर्य बीज प्रभारी, सुरेश चौधरी एडीओ ए जी,दिलीप विश्वकर्मा, अखिलेश यादव,राजेश कुमार मौर्य अजय कुमार,सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

निवेश और भूमि अधिग्रहण में लापरवाही पर डीएम होंगे जिम्मेदार

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के सभी जिलाधिकारियों को सख्त आदेश दिए हैं। सीएम योगी ने इन्वेस्टमेंट और भूमि अधिग्रहण से जुड़े प्रकरण लंबित नहीं रहने पर डीएम की जवाबदेही तय कर दी है। सीएम योगी ने डीएम को निर्देश दिया है कि निवेश के लिए किए गए एमओयू को धरातल पर उतारें। विभिन्न एप्रूवल की प्रक्रियाओं को समयबद्ध करना होगा, तय समय सीमा के बीतने के बाद एप्रूवल की डीम्ड मान लिया जाना चाहिए। पब्लिक ग्रीवांस सिस्टम को और लामकारी बनाया जाने की आवश्यकता है। सभी विभागों में नोडल अधिकारी बनाए जाएं और स्टार्ट अप पंजीकरण के लिए कानपुर के साथ–साथ नोएडा में भी सुविधा कार्यालय प्रारंभ कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के संकल्प की पूर्ति की दिशा में जारी प्रयासों, अब तक के परिणामों और भावी नीति पर विमर्श किया। बैठक में विभिन्न मंत्रियों, शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों, सलाहकारों, विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी 10 सेक्टरों में जारी कार्यों की समीक्षा की। कंसल्टिंग एजेंसी डेलॉयट इंडिया ने विस्तार से प्रदेश के आर्थिक परिवेश की वर्तमान स्थिति और संभावित भावी परिणाम, उद्योग जगत की अपेक्षाओं आदि के संबंध में सेक्टरवार विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आईटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा दिया गया है। गौतमबुद्धनगर आईटी, आईटीईएस का ग्लोबल हब बनकर उभरा है। प्रदेश में आईटी और आईटी आधारित सेवाएं टेस्टिंग सेंटर की स्थापना का प्रयास करें।

एनपीसी प्रभारी बने भाजयुमो नेता अमरजीत मिश्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अमरजीत मिश्रा को नेशनल प्रिपेरेटरी कमेटी (एनपीसी) भारत का राज्य कम्युनिकेशन प्रभारी उ.प्र. नियुक्त किया गया है। इस निर्णय से भाजपा और भाजयुमों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं में प्रसन्नता है।

शुक्रवार को अमरजीत मिश्रा का पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने पटेल चौक के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। अमरजीत मिश्रा ने कहा कि जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है, पूरा प्रयास होगा कि इसका निष्ठा से पालन करूं। उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या, एनपीसी–भारत के चेयरमैन वरुण कश्यप, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी, एनपीसी– भारत के सचिव उदय सूद सहित शीर्ष नेतृत्व को आभार ज्ञापित किया।

स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से मनोज सिंह, अमित गुप्ता, प्रदीप चौधरी, राघवेन्द्र सिंह, रणजीत यादव, विनोद यादव, मनोज जायसवाल, उमेश गुप्ता के साथ ही भाजपा और भाजयुमों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

समाजवादी मजदूर सभा की समीक्षा बैठक में मुद्दो पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी मजदूर सभा की समीक्षा बैठक जिलाध्यक्ष रामशंकर निराला के संयोजन में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रभारी हरीराम 'बागी' ने स्थितियों की समीक्षा करते हुये कहा कि मजदूर सभा समाज के गरीब, दबे कुचले लोगों तक पार्टी की नीति, कार्यक्रम को लेकर पहुंचे और उनके जीवन में सुधार के लिये हर संभव प्रयास करे। जिलाध्यक्ष रामशंकर निराला ने प्रभारी को किये जा रहे सांगठनिक कार्यो से अवगत कराया।

बैठक में जिला महासचिव डा. कैलाश शर्मा ने बताया कि मजदूर सभा द्वारा निरन्तर पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ा जा रहा है। भाजपा की सरकार में मजदूर पूंजीवादी नीतियों के कारण हताश, उदास है और उनका शोषण, उत्पीड़न लगातार बढ रहा है। इस दिशा में निरन्तर संगठन के द्वारा सृजनात्मक प्रयास किये जा रहे हैं।

समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से मो0 सलीम, फूलचन्द भारती, सुभाष चन्द्र राजभर, राम प्रसाद, राम अवतार, श्याम सुन्दर निषाद, डब्लू आर्य, अशोक कुमार निरंकार, झोमई प्रसाद, अर्जुन, परशुराम यादव, रामतिलक बौद्ध, अमित कुमार, मोहनलाल, बैजनाथ शर्मा, प्रमोद गुप्ता, निजामुद्दीन, जमीरूल्लाह, रामलौट आदि उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में बच्चों का रखे विशेष ध्यान-डा० सरफराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वरिष्ठ चिकित्सक डा0 सरफराज खान ने बताया कि ठंडक का मौसम अब अपना प्रभाव दिखाने लगा है तापमान लगातार शुष्क होती जा रही है। मौसम में बदलाव को देखते हुए बच्चों की देखभाल से छोटी–छोटी बातों पर विशेष ध्यान रखना चाहिए बच्चों में बड़ों के मुकाबले इम्यूनिटी कम होती है और वह मौसम के प्रति भी काफी संवेदनशील होते है। ऐसे में हमें बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहना होगा।

उन्होंने आम नागरिकों से आग्रह किया कि ठंडक का प्रभाव बढ़ रहा है जिसकी वजह से जुकाम, पेट दर्द, सिर दर्द सहित विभिन्न प्रकार की बीमारियां बच्चों में हो जाती है ऐसी स्थिति में अभिभावकों को तुरन्त चिकित्सक से सलाह लेकर दवा लेनी चाहिए। मौसम में बदलाव होने पर कपड़ों का खास ध्यान रहना चाहिए हल्की ठंड और हल्की गर्मी हो तो बच्चों का लाइट वेट और थोड़े लूज लेकिन फूल स्लीव्स वाले कपड़े पहचाने चाहिए जिससे बच्चों को गर्मी भी नही लगेगी और ठंड से भी बचाव होगा। बदलते मौसम में एकदम से बच्चों को मोटे कपड़े पहनाना न शुरू करें नही तो वो बीमार हो जायेंगे।

राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 39 छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को बनकटी ब्लाक सभागार में सत्र 2023–24 में विकास खण्ड बनकटी के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 8 में अध्ययन कर रहे छात्र–छात्राओं में से 39 बच्चों ने राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उनका तथा विद्यालय के अध्यापकों का प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष अभय सिंह यादव के संयोजन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि बस्ती मंडल के सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय कुमार शुक्ला ने कहा कि राष्ट्रीय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में जिन छात्रों को सफलता मिली है निश्चित रूप से उसमें उनके गुरूजनों का प्रयास रहा है। कहा कि शिक्षक इसी प्रकार से रचनात्मक पहल कर छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ ही उन्हें सृजनात्मक अवसरों से जोड़े। एक ब्लॉक में 39 बच्चों का उत्तीर्ण होना अपने आप में एक मिसाल है। इससे अन्य शिक्षकों को प्रेरणा लेनी चाहिये।

विशिष्ट अतिथि इं0 अरविन्द पाल ने परिषदीय विद्यालयों का भरपूर सहयोग करने का आश्वासन देते हुए सविलियन विद्यालय बनकटी, प्राथमिक विद्यालय पंखों बारी, प्राथमिक विद्यालय बासापार, प्राथमिक विद्यालय कैथोरा, प्राथमिक विद्यालय बसौढी के प्रधानाध्यापक को विद्यालय के लिए एक–एक लोहे की अलमारी अपने सहयोग से प्रदान किया । संचालन अतुल कृष्णराज ने किया। एआरपी बंसराज गुप्ता ने छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत उत्तीर्ण छात्राओं को मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 12000 प्रतिवर्ष चार वर्ष तक मिलेगा इस प्रकार से एक बच्चे को 48000 प्राप्त होगा । इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रघुनाथ सिंह, शिक्षाविद डॉक्टर अनिल मौर्य, मिथिलेश श्रीवास्तव आदि की उपस्थिति में छात्र–छात्राओं तथा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। प्रत्येक बच्चे को एक सम्मान पत्र, एक मेडल, एक कापी और ज्योमेट्री बाक्स द्वारा तथा शिक्षकों को एक सम्मान पत्र और एक मेडल द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी रामचन्द्र शुक्ल, प्रधान संघ के अध्यक्ष रवि चन्द्र पाण्डेय, खंड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ला, कृष्णकांत तिवारी, कृष्ण कुमार, अशोक कुमार मौर्य, चंद्रशेखर शर्मा, मोहम्मद इकबाल, दुर्गेश राव, राकेश मिश्रा, दीपक कुमार पाण्डेय, राधेश्याम गुप्ता ने आदि ने संबोधित किया।

कार्यक्रम संयोजक प्राथमिक शिक्षक संघ के बनकटी के ब्लाक अध्यक्ष अभय सिंह यादव ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ ही राष्ट्रीय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण कराने की दिशा में शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है।

राष्ट्रीय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 39 विद्यालयों में संविलियन विद्यालय अहरा, दीक्षापार, अरइल, आमचांदी, घुकसा, अमरडोमा, रामपुर रेवटी, एकडंगी, बनकटी, देवमी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय गूमानारी, पड़री, मनिकौरा खुर्द व खरका के छात्र शामिल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशा त्रिपाठी, संध्या त्रिपाठी, दीपक चौरसिया, नवीन चौधरी, जयप्रकाश शुक्ला, कविंद्र चौधरी, ध्रुव नारायण दुबे, मारकण्डेय मिश्रा, निवेदिता तिवारी, नीलम, चंद्रशेखर गुप्ता, आदित्यनाथ त्रिपाठी, सुनीता, भारतीय जनता पार्टी के मण्डल अध्यक्ष विवेकानन्द शुक्ला, राघवेन्द्र उपाध्याय, राकेश उपाध्याय, अजीत चौधरी, सत्येन्द्र यादव, मोहम्मद कामरान, अब्बू माज, मुकेश, सोनू यादव, मोहम्मद कुशक, दान बहादुर यादव, विवेक तिवारी, मो. इश्तियाक, आदित्य पांण्डेय, मंजेश राजभर, रवि प्रताप सिंह, मारूफ खान के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षामित्र अनुदेशक मौजूद रहे।

आप नेता सत्येंद्र जैन को मिली जमानत

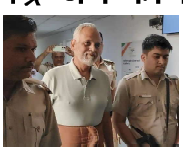

नई दिल्ली (आभा)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जमानत मिल गई है। आप नेता को करीब ढाई साल बाद राहत मिली है। शुक्रवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। 30 मई 2022 को गिरफ्तार किए गए आप नेता को 873 दिनों बाद नियमित जमानत मिली है। इससे पहले वह कुछ महीनों तक अंतरिम जमानत पर बाहर आए थे। कोर्ट ने तब उन्हें स्वास्थ्य कारणों से राहत दी थी। आम आदमी पार्टी ने जैन को मिली नियमित जमानत को सत्य की जीत बताया है।

जैन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित तौर पर जुड़ी चार कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोप में गिरफ्तार किया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा, 'मुकदमे में देरी और 18 महीने की लंबी कैद के मद्देनजर और इस तथ्य को देखते हुए कि मुकदमा शुरू होने में लंबा समय लगेगा आरोपी राहत के लिए पात्र है।' जज ने 50 हजार रुपये के जमानत बॉन्ड भरने और इतनी ही राशि के दो मुचलकों पर राहत देने का फैसला सुनाया।

जैन के वकील ने अदालत से कहा था कि उन्हें आगे हिरासत में रखने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा। ईडी ने आवेदन का विरोध करते हुए कहा था कि यदि जैन को रिहा किया गया तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। ईडी का मामला 2017 में सीबीआई द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जैन के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से सामने आया है।

सत्येंद्र जैन के वकील विवेक जैन ने कहा, 'राउज एवेन्यू ट्रायल कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को जमानत दे दी है।

जनसेवा केन्द्र से 90 हजार के चोरी मामले में एसपी से कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के छपिया लुटावन निवासी रामकरन पुत्र बलिराज ने जनसेवा केन्द्र से 90 हजार रूपये के चोरी मामले में शिकायतकर्ता पर जबरिया मुण्डेरवा पुलिस द्वारा सुलह के लिये दबाव बनाने, पकडे गये चोर से रूपया वापस न दिलाये जाने के मामले की जांच कराकर कार्यवाही की मांग किया है।

पुलिस अधीक्षक से मिलकर रामकरन ने बताया कि उसकी ओड़वारा बाजार में जनसेवा केन्द्र की दूकान है, गत 14 अक्टूबर की रात में ताला तोड़कर 90 हजार रूपया नकद चोरी कर लिया गया। उसे मकान मालिक धुवचन्द्र से सूचना मिली कि दुकान में ताला तोड़कर चोरी हो गई है । उसने 112 नम्बर पर पुलिस को फोन किया। पुलिस आयी उसके बाद थाना मुण्डेरवा से एस०आई० दयानाथ आये और हम पूछताछ किया। उसने संदिग्ध व्यक्ति वाहिद पुत्र समीउल्लाह व मेहदी हसन खान पुत्र अज्ञात साकिनान पिकौरा शुक्ल पर शक जताया। एस०आई० दयानन्द ने उसे 2 बजे दिन में थाने पर बुलाया गया और कहा गया कि बड़े साहब रहेगें तब आकर दरख्वास्त देना। जब वह प्रार्थना पत्र लेकर गया तो पुलिस ने अभियुक्तों से सुलह करने के लिए दबाव बनाया जाने लगा।

अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एफ०आई०आर० पंजीकृत हुई। किन्तु पुलिस ने चोरों से 90 हजार नकद बरामद नहीं किया। उसने मांग किया है कि संदिग्ध चोरों से उसका 90 हजार रूपया वापस दिलाकर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाई सुनिश्चित किया जाय।

दुर्गा पूजा मेले में खोया– पाया शिविर से 130 बच्चों, महिलाओं, बुर्जुगों को उनके परिजनों से मिलाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार की दोपहर तक देवी प्रतिमाओं का विर्सजन सम्पन्न हुआ। इससे प्रशासन ने राहत की सास लिया है। दुर्गा पूजा पर्व पर आयोजित मेले में लगाये गये खोया पाया शिविर में 130 से अधिक बच्चों, महिलाओं, बुर्जुगों को उनके परिजनों से मिलाया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने शिविर की सराहना करते हुये कहा कि समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष समाजसेवी जय प्रकाश गोस्वामी की यह पहल सराहनीय है।

मेले में अपार भीड़ के दौरान जब बच्चे मिले तो माइक पर प्रसारण से उनके अभिभावक पहुंचे, बच्चों को उनके सुपुर्द कर दिया गया। जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि निरन्तर पिछले 33 वर्षो से वे मेले में बिछड़े लोगों को एक दूसरे से मिलाने का कार्य कर रहे हैं। बिछड़ों को मिलाने में उन्हें अपार प्रसन्नता होती है। बताया कि इस बार देवी प्रतिमाओं का विसर्जन भोर तक चला और श्रद्धालु भक्त जमे रहे।

खोया पाया शिविर के संचालन में मुख्य रूप से सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक महेन्द्रनाथ यादव, भाजपा नेता एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, रमेश बहादुर सिंह, सी.ए. अजित चौधरी, डा. एस. पी. चौधरी, मो. अनीश, अरविन्द सिंह, अरविन्द पाण्डेय, डा. निर्मल सिंह, डा. राकेश सिंह, बालकृष्ण उर्फ पिन्टू तिवारी, बबलू तिवारी, अनूप खरे, अनिल दूबे, सूर्य प्रकाश शुक्ल, कौशल पाण्डेय, हेमन्त मिश्र, आरडी प्रेमी, राम अधार पाल, अमित चौबे, राजेश्वर तिवारी, डा. नवीन श्रीवास्तव, सन्तोष पाल, काका चौधरी, विजय प्रकाश गोस्वामी, प्रभात सोनी, राहुल त्रिपाठी आदि ने अपना योगदान दिया।

ऑन लाइन हाजिरी समाप्त करने की मांग को लेकर एएनएम ने प्रदर्शन कर सौंपा 8 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य एनएचएम एएनएम कर्मचारी यूनियन के प्रान्तीय आवाहन पर दुबौलिया ब्लाक अध्यक्ष एएनएम सीमा राय के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारियों ने मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के समक्ष 8 सूत्रीय मांगों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि ऑन लाइन हाजिरी के निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय।

मुख्य चिकित्साधिकारी को भेजे 8 सूत्रीय ज्ञापन में ऑन लाइन हाजिरी के निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाने, संविदा एएनएम कर्मियों का स्थाईकरण किये जाने, स्थाईकरण किए जाने तक समान काम के समान वेतन के सिद्धांत को लागू कर पे ग्रेड के अनुसार वेतन गारंटी देकर नियोजन की तिथि से अब तक का एरियर भुगतान किये जाने, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों, कार्यक्रमों में भागेदारी की प्रोत्साहन राशियां (इंसेंटिव) का पारदर्शिता के साथ सीधे खाते में भुगतान सुनिश्चित कराये जाने। स्थाई एएनएम कर्मियों को 2800 / के प्रोन्नत पे ग्रेड लागू कर महंगाई भते के साथ गणना कर भुगतान सुनिश्चित किये जाने, स्थानांतरण की नीति बनाकर स्थानांतरण का सभी को समुचित अवसर देने, 50 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिये जाने, उपकेंद्रों की खस्ता हालत का सर्वे कराकर उनका जीर्णोधार कराने, उपकेंद्रों में बैठने के लिए कुर्सी, मेज, रजिस्टर (स्टेशनरी) तक उपलब्ध नहीं है। इन सबके लिए पिछले दिनों इन विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए उपलब्ध कराए गए धन के उपयोग का भौतिक सत्यापन करवाकर इस के बंदरबांट की निष्पक्ष जांच कराने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के बाद एएनएम सीमाराय ने कहा कि मांग नहीं गई तो प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर निर्णायक संघर्ष किया जायेगा। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से एएनएम मंजू चौधरी, पूनम वर्मा, सुनीता त्रिपाठी, सावित्री चौधरी, मंजू बाला, सुधा यादव, दीपिका चौधरी, ज्योति चौधरी, सुनीता, नीलम, मंजू देवी, रीना, सुभावती, शिमला पाठक, प्रेमशीला, अनीता मौर्या, अनुपम शुक्ला, सरिता भारती, कंचन देवी, नीलम, अंजनी वर्मा, कविता शुक्ला, रीना सिंह, शकुन्तला देवी, संजू देवी, अन्नू, दीपिका के साथ ही अनेक एएनएम शामिल रहे।

–समस्याओं का निस्तारण न हुआ तो तेज होगा आन्दोलन– सीमा राय

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 19 अक्टूबर 2024 शनिवार

सम्पादकीय

विदेश मंत्री की पाक यात्रा

भले ही इस्लामाबाद में भारत–पाकिस्तान की द्विपक्षीय वार्ता नहीं थी, लेकिन लगभग नौ साल बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा के गहरे निहितार्थ हैं। नई दिल्ली द्वारा इस यात्रा को हरी झंडी देना ही इस बात का प्रबल संकेत है कि पर्दे के पीछे से की जा रही कूटनीति सार्थक रही है। दरअसल, शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने के लिये विदेश मंत्री के इस्लामाबाद जाने के निर्णय ने कई उम्मीदें जगायी हैं। एससीओ सम्मेलन में भाग लेने जाने से पहले एस जयशंकर ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान को लेकर भारत की विदेश नीति निष्क्रिय नीति नहीं है। निश्चित रूप से भारत सरकार की ओर से यह संकेत देने का प्रयास किया गया कि दिल्ली किसी भी सकारात्मक संकेत का जवाब देने के लिये पूरी तरह से तैयार है। ऐसा भी नहीं है कि पाकिस्तान की राजधानी में एससीओ सम्मेलन में एस जयशंकर अपनी दो टूक बात करने से चूके हों। उन्होंने इस्लामाबाद को साफ–साफ शब्दों में इस मंच के जरिये सभ्य तरीके से सुना दिया कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को प्रश्रय देने वाली नीति ही संबंधों में बाधक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ये नीतियां व्यापार गतिविधियों, ऊर्जा प्रवाह, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के संवाद–संबंध बनाने में बाधक बनती हैं। उन्होंने अतीत में एक मंच पर भारत–पाक के बीच पैदा होने वाली परंपरागत कटुता को दरकिनार करते हुए भी कड़े शब्दों में भारत की नीति को जाहिर कर दिया। वहीं दूसरी ओर भले ही शिखर वार्ता की अभी कोई स्थिति बनती नजर नहीं आ रही है, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर की अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के साथ अनौपचारिक बातचीत से द्विपक्षीय संबंधों में लंबे समय से उत्पन्न रुकावट खत्म होने की उम्मीद जरूर जगी है। बहरहाल, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि घात और बात की नीति साथ–साथ नहीं चल सकती। जिस ओर एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन मंच का उपयोग करते हुए स्पष्ट इशारा किया भी है।

बहरहाल, इतना तो तय है कि यदि पाक अपनी पुरानी नीतियों को नहीं बदलता तो रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने की कोई गुंजाइश नहीं बचती। वैसे यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान की रीतियों–नीतियों के चलते उससे सीमित जुड़ाव बनाये रखना भारतीय सरकारों के लिये भी एक चुनौती बनी हुई है। इस्लामाबाद, अन्य शब्दों में कहें तो पाकिस्तान सेना मुख्यालय रावलपिंडी की, बार–बार विश्वास को खंडित करने की नीति संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रयासों में संदेह को जन्म देती है। यह एक हकीकत है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने की पाक की नीति के चलते मेज पर वार्ता न करने के इच्छुक भारत को अपने अविश्वसनीय पड़ोसी के साथ संबंधों के विकल्प तलाशते रहने चाहिए। जिसमें बातचीत का माध्यम खुला रखना भी शामिल हैं। क्रिकेट डिप्लोमेसी भी अतीत की तरह भारत के लिये मददगार हो सकती है या नहीं, इस पर भी विचार करने की जरूरत है। लेकिन ये प्रयास लंबे समय से दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ को पिघलाने में मददगार हो सकते हैं। निश्चित तौर पर एस. जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के सार्थक समापन को एक रचनात्मक उपलब्धि के तौर पर तो देखा जा सकता है। भले ही यह एक छोटा कदम हो, लेकिन आगे बढ़ने की दिशा में इस छोटे कदम को भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि भौगोलिक रूप से पाकिस्तान हमारा पड़ोसी है, जिसे बदला नहीं जा सकता। निश्चित रूप से अब गेंद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पाले में है कि संबंधों को ईमानदारी से आगे बढ़ाने में वे कितनी शराफत दिखाते हैं। हालांकि, संबंधों को मजबूत करने में उनके भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का ट्रैक रिकॉर्ड विश्वास करने लायक नहीं रहा है। वैसे भी भारत से संबंधों की नई पहल करने से शरीफ को पहले पाकिस्तान सेना से निपटना होगा। जो पर्दे के पीछे से पाकिस्तानी लोकतंत्र को चला रही है। बहरहाल, नई दिल्ली की इसके नतीजे को लेकर उत्सुकता से नजर रहेगी।

स्वार्थी हित धकेल रहे हैं विनाश की ओर

—संजय बारू—

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले सप्ताह अपने वार्षिक विजयदशमी संबोधन में दावा किया कि विश्व मंच पर भारत की छवि, शक्ति, प्रसिद्धि और स्थिति लगातार सुधर रही है। 'लेकिन मानो हमारे संकल्प की परीक्षा लेने के लिए, हमारे सामने कुछ भयावह षड्यंत्र सामने आए हैं जिन्हें ठीक से समझने की आवश्यकता है। देश को अशांत और अस्थिर करने के प्रयास हर तरफ से जोर पकड़ते दिख रहे हैं।' ये एक जिम्मेदार राजनीतिक व्यक्तित्व की ओर से आने वाली गंभीर चेतावनियां हैं। भागवत ने अपने संबोधन की शुरूआत इस बात से की कि, "हर कोई महसूस करता है कि पिछले कुछ सालों में भारत एक राष्ट्र के रूप में दुनिया में अधिक मजबूत और सम्मानित हुआ है और इसकी विश्वसनीयता भी बढ़ी है।" हालांकि, उन्होंने जल्दी ही कई आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की सूची बना दी, जो न केवल भारत के उत्थान बल्कि इसकी एकता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं।

भाषण व्यापक है, जिसमें पारिवारिक मूल्यों, महिला सशक्तिकरण और जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों को शामिल किया गया है। भागवत ने कहा, "विज्ञान और प्रौद्योगिकी की मदद से हमने जीवन को बेहद आरामदायक बना दिया है," "दूसरी ओर, हमारे स्वार्थी हितों के टकराव हमें विनाश की ओर धकेल रहे हैं।" संक्षेप में, भागवत ने एक घिरे हुए भारत का चित्रण किया है। भारत गणतंत्र की स्थापना के बाद से ही इनमें से अधिकांश चुनौतियों से जूझ रहा है। 1960 के दशक के मध्य में एक समय ऐसा भी था जब पश्चिमी विद्वानों ने आश्चर्य व्यक्त किया था कि क्या भारत विखंडित हो जाएगा।

यहां तक कि 1990 के दशक में, जब यूगोस्लाविया टूट गया, तब भी भारत की एकता के लिए इसी तरह के खतरे के बारे में सवाल उठाए गए थे। लगभग आधी सदी तक, आर.एस.एस. ने इन चुनौतियों से ठीक से निपटने में विफल रहने और भारत के शासन को गड़बड़ाने के लिए सरकारों को दोषी ठहराया। भागवत विशेष रूप से 'सीमावर्ती क्षेत्रों' में अशांति के बारे में ङ्क्षचतित हैं। पिछले एक साल में आखिर ऐसा क्या हुआ कि आर.एस.एस. प्रमुख को अपनी ही सरकार को इतनी कड़ी चेतावनी देनी पड़ रही है? पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से नई दिल्ली और कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जिनमें सीमावर्ती क्षेत्र भी शामिल हैं, की सरकारें ऐसे नेताओं द्वारा चलाई जा रही हैं, जिन्होंने आर.एस.एस. और भाजपा से प्रेरणा ली है।

अव्यवस्था और खराब शासन की तस्वीर रू देश भर में अव्यवस्था और खराब शासन की जो तस्वीर भागवत ने पेश की है, वह ङ्क्षचताजनक है और उन दिनों की याद दिलाती है, जब आर.एस.एस. ने दिल्ली की सरकारों पर देश के सामने आने वाले खतरों से निपटने में कमजोर और कायराना होने का आरोप लगाया था। निश्चित रूप से, मोदी सरकार को इन घरेलू राजनीतिक और सुरक्षा चुनौतियों, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में, का प्रबंधन न कर पाने की अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। क्या दिल्ली दरबार की हुकूमत अब इतनी दूर तक नहीं चलती?लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता वाले देश 'जो उदार, लोकतांत्रिक और विश्व शांति के लिए प्रतिबद्ध होने का दावा करते हैं, उनकी सुरक्षा और स्वार्थ का सवाल उठते ही गायब हो जाते हैं।' यह कोई नई शिकायत नहीं है। दुनिया भर के कम्युनिस्ट दशकों से ऐसा कहते आ रहे हैं। तो भागवत अब उन आशंकाओं को क्यों दोहरा रहे हैं?

उन पंक्तियों को पढ़ते हुए मुझे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कई भाषणों में बार–बार आने वाली एक थीम याद आ गई, जब वे जोर देते थे, "दुनिया चाहती है कि भारत अच्छा करे, हमारी चुनौतियां हमारे देश में हैं।" यह सूत्रीकरण इस आकलन पर आधारित था कि चीन और पाकिस्तान को छोड़कर दुनिया के अधिकांश देश भारत के लिए शुभकामनाएं देते हैं। कुछ समय पहले तक, यह महसूस किया जाता था कि पूरी दुनिया और निश्चित रूप से पश्चिम और पूर्व के उदार लोकतंत्र भारत के उदय को वैश्विक सार्वजनिक भलाई के रूप में देखते हैं। जब चीन के उदय ने पश्चिम को परेशान कर दिया, तो अमेरिका भी 'उदार, लोकतांत्रिक, बहु सांस्कृतिक और बहुल भारत' के उदय को अनुकूल रूप से देखने लगा। तो फिर, हाल के दिनों में ऐसा क्या हुआ कि भागवत बाहरी माहौल को अवसर से ज्यादा चुनौती के तौर पर देख रहे हैं? अब, घेराबंदी की यह भावना क्यों? क्या भारत इतनी तेजी से इतना शक्तिशाली बन गया है कि वह बड़ी शक्तियों के लिए खतरा बन गया है? क्या भागवत का यह सुझाव सही है कि पश्चिमी 'उदार लोकतंत्र' भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं और 'झूठ या अर्धसत्य के आधार पर भारत की छवि को धूमिल करने की जानबूझकर कोशिश की जा रही है?'

अगर ऐसा है, तो 3000 डॉलर से कम प्रति व्यक्ति जी.डी.पी. वाले भारत ने ऐसा क्या किया है कि उसे उससे 5 और 10 गुना आय वाले देशों का गुस्सा झेलना पड़ रहा है? भागवत का गंभीर दृष्टिकोण मौजूदा व्यवस्था की नीतियों, विकसित भारत के अमृत काल के परिणामस्वरूप भारत के उभरने की कहानी के साथ अच्छी तरह से मेल नहीं खाता है।भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। ग्लोबल साऊथ के नेता और एक से अधिक प्रमुख शक्तियों के 'वैश्विक और रणनीतिक साझेदार'।भागवत ने स्पष्ट किया कि 'स्थिति का उनका वर्णन डराने,धमकाने या लड़ाई को भड़काने के लिए नहीं है। हम सभी ऐसी स्थिति का अनुभव कर रहे हैं। इस देश को एकजुट, खुशहाल, शांतिपूर्ण, समृद्ध और मजबूत बनाना सभी की इच्छा और कर्त्तव्य है। हिंदू समाज की इसमें बड़ी जिम्मेदारी है...' ठीक है। तो क्या मोदी सरकार कार्रवाई में गायब दिख रही है?(लेखक 1999–2001 तक भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य तथा 2004–08 तक भारत के प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार रहे हैं।)

कांग्रेस के साथ बढ़ेगा अखिलेश का समाजवाद

—अजय कुमार—

कांग्रेस आलाकमान और गांधी परिवार भले ही यूपी से बाहर समाजवादी पार्टी को अपने तेवर दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा हो,लेकिन उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी चाह कर भी कांग्रेस को अनदेखा नहीं कर पा रही है। इसे समाजवादी पार्टी की सियासी मजबूरी कहें या फिर समय की मांग जिसकी वजह से हरियाणा में खाली हाथ रहने के बावजूद समाजवादी पार्टी यूपी में कांग्रेस के साथ रिश्ता बनाए रखेगी। यूपी में उपचुनाव वाली 10 सीटों में सपा 8 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।शेष दो सीटें उसने कांग्रेस के लिये छोड़ दी हैं। जबकि कांग्रेस पांच सीटों की मांग कर रही थी, वैसे पांच सीटों वाली उसकी मांग तर्कसंगत भी नहीं थी।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गाजियाबाद और खैर विधानसभा सीट कांग्रेस के लिए छोड़ने का फैसला किया है। यूपी में उपचुनाव वाली 10 सीटों में सपा 8 पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि उपचुनाव के लिए हुए समझौते के तहत अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट के साथ गाजियाबाद सीट पर कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी। वैसे इसे सपा का डैमेज कंट्रोल भी माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस की करारी हार के अगले दिन ही सपा ने यूपी में छह सीटों पर उपचुनाव के उम्मीदवार घोषित कर दिए थे। इसे कांग्रेस के नेता नाराज हो गये थे। कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत से इंकार कर दिया था। सूत्रों का कहना है कि गत दिनों जम्मू–कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण के दौरान राहुल व अखिलेश की मुलाकात के बाद सीट बंटवारे पर सहमति बनी। वैसे कइ बार अखिलेश कह चुके हैं कि यूपी में इंडिया गठबंधन जारी रहेगा।

बात उम्मीदवारों की कि जाये तो समाजावादी पार्टी ने बसपा के राष्ट्रीय महासचिव मुनकाद अली की बेटी सुंबुल राणा को मुजफ्फरनगर की मीरापुर सीट से उम्मीदवार बनाया है। गत दिवस स्थानीय नेताओं व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सुंबुल का नाम तय किया है। सुंबुल बसपा के पूर्व सांसद कादिर राणा की बहू हैं। कादिर राणा इस समय सपा में हैं। मुनकाद और कादिर का सियासी रिश्ता 2010 में पारिवारिक रिश्ते में बदला था, तब कादिर भी बसपा में थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के पहले कादिर सपा में शामिल हो गए थे। मीरापुर सीट सपा के साथ गठबंधन में रालोद ने जीती थी। हालांकि, लोकसभा चुनाव के पहले रालोद ने भाजपा का साथ पकड़ लिया। मीरापुर के विधायक चंदन चौहान के बिजनौर से सांसद बनने के बाद यहां उपचुनाव हो रहा है। सपा अब तक उपचुनाव वाली सात सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। इसमें छह टिकट नेताओं के परिवार में ही गए हैं। अल्पसंख्यकों की भागीदारी का संदेश देने के लिए अखिलेश ने अब तक तीन टिकट मुस्लिमों को दिए हैं।

बहरहाल, नौ विधान सभा सीटों पर चुनाव के लिये सभी दल पूरी मेहनत कर रहे हैं,वहीं मिल्कीपुर उपचुनाव टलने को लेकर सपा और भाजपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप बढ़ता जा रहा है। अब भाजपा ने सपा पर चुनाव टालने का आरोप लगाया है। जब मिल्कीपुर का चुनाव घोषित नहीं किया गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा को घेरा था। और उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके तंज किया था कि जिसने जंग टाली है, उसने जंग हारी है। वहीं, मिल्कीपुर के पूर्व विधायक गोरखनाथ ने इसका जवाब देते हुए कहा है कि भाजपा नहीं, बल्कि सपा डर गई है। यही वजह है कि उन्होंने(गोरखनाथ) अपनी याचिका वापस लेने की अपील कोर्ट से की। कोर्ट में गुरुवार 17 अक्टूबर को सुनवाई थी। मैं वहां पहुंचा तो देखा कि सपा सांसद अवधेश प्रसाद वहां एक दर्जन वकील भेज दिए हैं। इस बात पर बहस होने लगी कि ऐसे आप याचिका वापस नहीं सकते। इससे साफ है कि समाजवादी पार्टी डर गई है और वह चुनाव नहीं चाहती। कुल मिलाकर कांग्रेस और सपा के रिश्तों की बात की जाये तो अभी ऐसा नहीं लगता है कि सपा और कांग्रेस की राहें जुदा होने वाली है। फिलहाल अखिलेश का समाजवाद कांग्रेस के साथ ही आगे बढ़ेगा।

पत्रकारिता की स्वतंत्रता के प्रश्न

ललित गर्ग—

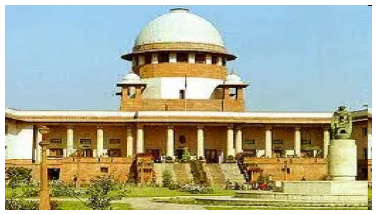

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद–19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति–नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा–कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन–प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय–समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला–बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय–समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह–रहकर पत्रकारों को डराने–धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं।

निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े–बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं– संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक–आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी–कभी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे। हालांकि आलोचना का अर्थ हर समय निंदा करना नहीं होता। किसी भी मुद्दे के पक्ष और विपक्ष का तार्किक विश्लेषण करना होता है। पत्रकारिता यही करती है। वह लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है।

14 दिन के लिए जेल गए हत्याकांड के 5 आरोपित, अब तक 61 गिरफ्तार, कड़ी सुरक्षा के बीच जुमे की नमाज

संवाददाता—बहराइच। महाराजगंज में रविवार को हुई युवक रामगोपाल मिश्र की हत्या व हिंसा के मामले में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपितों को शुक्रवार सुबह सीजेएम आवास पर पेशी के लिए लाया गया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। सभी आरोपितों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। पूरे मामले में अब तक 13 मुकदमे दर्ज कर 61 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दो आरोपितों पर पुलिस टीम पर फायर झोंकने का मुकदमा नानपारा कोतवाली में दर्ज किया गया है। हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम महराजगंज में रविवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल में छह हत्यारोपितों रिंकू उर्फ सरफराज, तालिब उर्फ सबलू, अब्दुल हमीद, फहीम व अफजल को गिरफ्तार किया गया था, जिसमें रिंकू उर्फ सरफराज व तालिम उर्फ सबलू पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए थे।

शुक्रवार को सभी आरोपितों को जिला न्यायालय में पेश किया जाना था, लेकिन सुरक्षा कारणों को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक ने सीजेएम से वार्ता कर सभी आरोपितों को उनके आवास जजेज कालोनी ले–जाकर पेशी करवाई। सीजेएम प्रतिभा चौधरी ने सभी को न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेज दिया। थानाध्यक्ष हरदी कमलशंकर चतुर्वेदी ने बताया कि 14 दिनों की जेल हुई है। उन्हें रिमांड पर लिया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा पुलिस व पीएसी के जवानों को तैनात किया गया था। शुक्रवार का दिन होने के चलते मस्जिदों के आसपास पुलिस, पीएसी के जवान तैनात किए गए थे। स्वयं डीएम मोनिका रानी व एसपी वृंदा शुक्ला पैदल मार्च कर लोगो में सुरक्षा की भावना जगा रही थी।

महाराजगंज में हुई हत्या व हिंसा के मामले में अब तक 61 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनमें 38 मुस्लिम युवक शामिल हैं, जबकि 24 हिंदू युवकों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। थानाध्यक्ष कमलशंकर चतुर्वेदी ने बताया कि देर रात तक अन्य कई आरोपितों को गिरफ्तारी हो सकती है।

महाराजगंज में रामगोपाल की हत्या व हिंसा के मामले में गिरफ्तार किए छह आरोपितो की गिरफ्तारी के बाद दो लो पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए थे। इसको लेकर मुस्लिम समुदाय में आक्रोश मुखर होने की आशंका थी। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद लोगों की प्रतिक्रिया होने की आशंका के चलते सभी मस्जिदों के आसपास पुलिस व पीएसी के जवान मुस्तैद थे।

रामगांव के रेहुआ मंसूर निवासी मृतक रामगोपाल मिश्र के घर जाने वाले रास्ते पर पुलिस व पीएसी का पहरा लगाया गया था। मृतक के घर जाने वाले रास्ते से दो किलोमीटर पहले पुलिस अधिकारियों ने बैरीकेडिंग करा दी थी, जिसके उस पार मीडियाकर्मियों के जाने पर प्रतिबंध लगाया गया था। माना जा रहा है मृतक के परिवारजन की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों ने यह कदम उठाया है।

हत्या के मामले में पकड़े गए पांच आरोपितों में रिंकू उर्फ सरफराज व तालिम पर पुलिस कर्मियों हत्या के प्रयास व आयुध अधिनियम का भी मुकदमा कोतवाली नानपारा में दर्ज किया है। आरोप है कि रामगोपाल मिश्र की हत्या में प्रयुक्त असलहा को बरामद कराने के लिए आरोपितों को पुलिस ले गई थी, जहां उन्होंने भागने की नीयत से फायर कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश की गुरुवार रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर झोक दिया जिसमें पुलिस जवान बाल बाल बच गए। वहीं जवाबी कार्रवाई के दौरान पैर में गोली लगने से बदमाश गिर गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इकौना थाना क्षेत्र के खटिकनपुरवा निवासी वांछित अपराधी सोनू उर्फ ननके पुत्र मेवा लाल पर 50 हजार रुपये का इनाम है। जिसके विरुद्ध श्रावस्ती, बहराइच, बलरामपुर व गोण्डा जनपद के विभिन्न थानों में कुल 24 अपराधिक मामले दर्ज हैं। सोनू लम्बे समय से पुलिस की पकड़ से दूर था साथ ही वह बलरामपुर का वांछित अपराधी है। गुरुवार की रात अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह व सर्विलांस सेल प्रभारी नितिन यादव पुलिस व सर्विलांस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण पर निकले थे। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि इनामिया अपराधी सोनू उर्फ ननके बाइक से भिनगा जंगल स्थित अंटा तिराहे से होकर जाने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अंटा तिराहे पर पहुंची और जानकीनगर जाने वाले कच्चे रास्ते पर नाकेबंदी कर अपराधी का इंतजार करने लगी। कुछ देर बाद बाइक की रोशनी दिखाई दी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो सोनू बाइक मोड़ कर भागने की कोशिश करने लगा और जंगल के अंदर भागने लगा। इस पर पुलिस ने घेराबंदी कर दी। तभी अपराधी ने असलहे से पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह ने बुलेट प्रूफ जैकेट पहन रखी थी और गोली जैकेट को छूते हुए निकल गई। फिर पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चला दी जो अपराधी के पैर में जा लगी। जिसके बाद वह जमीन पर गिर गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद अपराधी को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। पकड़े गए बदमाश पर गोण्डा में आठ, बलरामपुर में चार, बहराइच में पांच व श्रावस्ती में पांच अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह इकौना थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी भी है। अपराधी के कब्जे से देशी तमंचा व कारतूस बरामद किया गया।

तीन तेंदुए दिखने से दहशत

संवाददाता—बलरामपुर। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग रेंज तुलसीपुर अंतर्गत हलौरा में मादा तेंदुआ के पकड़े जाने के बावजूद खतरा अभी टला नहीं है। कुड़ोहा व मधनगर के बीच गुरुवार शाम तीन तेंदुए एक साथ दिखने से लोगों में दहशत बढ़ गई है। वहीं शुक्रवार सुबह शौच के लिए गए हलौरा गांव के लोगों को तेंदुए ने दौड़ा लिया। लोगों ने पहले ही इस बात की आशंका जताई थी कि तेंदुए के दो शावक अभी इलाके में मौजूद हैं। तीन तेंदुआ दिखने से ग्रामीणों की बात सच साबित हो रही है। तेंदुआ पकड़े जाने के चार दिन बाद ही लोगों में एक बार फिर दहशत फैल गई है। तेंदुआ पकड़े जाने के बाद से दोबारा उसमें बकरी नहीं बांधी गई, जिस कारण अन्य तेंदुए खुलेआम घूम रहे हैं। अभिभावकों ने एक बार फिर तेंदुए के भय से बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है।

पिछले छह महीने से हलौरा व कुड़ोहा सहित दर्जन भर गांव में तेंदुए का आतंक व्याप्त है। तेंदुए ने आधा दर्जन निराश्रित मवेशियों एवं बकरों को निवाला बनाया था। दो लोग तेंदुए के हमले में घायल हुए थे। ग्रामीणों की मांग को देखते हुए हलौरा गांव में पिंजड़ा लगाया गया है। गत सोमवार को सुबह मादा तेंदुआ पिंजरे में फंस गई। ग्रामीणों का कहना था कि अभी तेंदुए के दो शावक क्षेत्र में घूम रहे हैं। ग्रामीणों ने पिंजड़ा न हटाए जाने की मांग वन विभाग से की थी। ग्रामीणों की बात सच निकली। शुक्रवार सुबह निबरे, संचित, मनोहर, श्यामजी, राधेश्याम शौच के लिए गए थे। गन्ना खेत में बैठा तेंदुआ अचानक आक्रामक हो गया, जिसे देखकर लोग शोर मचाते हुए भाग निकले। गुरुवार शाम ईदगाह की दीवाल पर तीन तेंदुए बैठे देखे गए। ग्रामीणों का कहना है कि पिंजड़े में बकरी न बंधी होने के कारण तेंदुए उसमें नहीं फंसे। संग्रामपुर निवासी फिरोज एवं मुर्तजा ने बताया कि वह टैक्सी चालक हैं। गुरुवार शाम चार बजे वह तुलसीपुर से सवारी बैठाकर संग्रामपुर छोड़कर पुनरू तुलसीपुर जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में ईदगाह की चाहरदीवारी पर दो तेंदुआ बैठे दिखाई दिए वहीं एक तेंदुआ सड़क पर घूमता दिखा। वह दबे पांव वापस गांव की ओर भाग आए और गांव में आकर अन्य लोगों को भी रास्ते में तेंदुआ होने की सूचना दी। संग्रामपुर के ही बैजू ने बताया कि वह बैट्री रिक्शा से फेरी लगाकर सब्जी बेचता है। बुधवार शाम सब्जी की बिक्री खत्म होने पर वह घर की ओर जा रहेथे। इसी बीच हलौरा से निकलने के बाद उन्होंने ईदगाह के पास तीन तेंदुओं को मुख्य रास्ते पर घूमते देखा। यह नजारा देख वह फौरन वहां से भाग कर हलौरा गांव में चले गए और गांव वालों को इसकी सूचना दी। हलौरा निवासी ताहे व सज्जाद शाम पांच बजे अपने खेत की ओर जा रहे थे।

इसी बीच लोगों ने बताया कि ईदगाह के पास तेंदुआ बैठा हुआ है बावजूद वह उसी रास्ते पर चल दिए। ईदगाह के पास तीन तेंदुओं को बैठा देख वह उल्टे पांव वापस हो लिए। पुरैना निवासी पृथ्वी हलौरा और पुरैना गांव की सरहद पर खेत धान फसल की रखवाली करने गए थे तभी देखा कि एक तेंदुआ अपने दो शावकों के साथ खेत में घूम रहा था। तेंदुए को शावकों के साथ देख वह भी दबे पांव वापस घर चले आए। डॉ एम सेम्मारन, डीएफओ बलरामपुर ने कहा कि कुड़ोहा गांव में टीम भेजी गई थी। तेंदुए के पगचिन्ह कहीं नहीं मिले हैं। फिलहाल ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। पिंजड़ा अभी लगा हुआ है। जल्द ही पिंजड़े में बकरी बांधी जाएगी, जिससे अन्य तेंदुओं को पकड़ा जा सके।

संतो महंतों ने रासबिहारी सदन के पूर्वाचार्य महंत सियाराम दास को अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। अयोध्या के तुलसी नगर स्थित रासबिहारी सदन के पूर्वाचार्य महंत सियाराम दास के प्रथम पुण्यतिथि पर अयोध्या के संतों महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि श्री महाराज जी संत सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा पूरे जीवन ठाकुर जी के भजन के साथ करते रहे निरंतर भजन करते हुए सेवा का जो उपदेश दिया वही अपने जीवन में पालन करके मंदिर परंपरा को आगे बढ़ा रहा हूं उक्त बातें श्री महाराज जी के उत्तराधिकारी रासबिहारी सदन वर्तमान महंत सत्यनारायण दास ने बतायीं। उन्होंने बताया कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को श्री महाराज जी का साकेत वास पिछले वर्ष हुआ था उनके प्रथम पुण्यतिथि पर मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें अयोध्या के हजारों संतो महंतों नी श्रद्धांजलि अर्पित की।सत्यनारायण दास महाराज ठाकुर जी का अभिषेक किया गया गुरु जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए वस्त्र अर्पित किए गए। विविध प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। श्री महाराज जी की श्रद्धांजलि सभा में केशव बिहार सदन के महंत सच्चिदानंद दास, नया शीश महल मंदिर के महंत रामलोचन शरण,महंत महा त्यागी सीताराम दास, महंत शिवराम दास महंत सियाराम दास पुजारी रामचरण दास विमल दास, रामायणी रामदास दयालु सहित सैकड़ो संतों महंतों ने श्रद्धांजलि अर्पित की अतिथियों का स्वागत सत्कार महंत सत्यनारायण दास ने किया।

ऋषि मुनियों की परम्परा का देश है भारत-भानु प्रकाश

संवाददाता—श्रावस्ती। कटरा स्थित आर्य समाज मंदिर में आर्य समाज की ओर से तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें अलग अलग जनपदों से समाज के लोग शामिल हुए। लोगों ने शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ किया। यज्ञब्रह्मा आचार्य अशोक ने ईश भजनों के माध्यम से संदेश दिया कि ईश्वर जो कुछ करता है अच्छा ही करता है। बरेली से पधारे पंडित भानु प्रकाश आर्य ने कहा कि हमारे देश को एकजुटता और सशक्तिकरण के भाव को आत्मसात करते हुए देश के प्रत्येक नागरिक को देश के प्रति, समाज के प्रति, एक दूसरे के प्रति समानता का भाव लाना होगा। हमारा देश ऋषि मुनियों की परम्परा का देश है। जिसके एक एक वाणी पर आज समूचा विश्व रिसर्च कर रहा है। हम सभी को अपनी वैदिक संस्कृति व सभ्यता पर गर्व होना चाहिए। वहीं पंडित ओंकारनाथ शास्त्री ने कहा कि परमात्मा का मुख्य नाम ओम है तथा हम सभी को परमात्मा ने समान रूप से बनाया है। भले हमारी पूजा पद्धति में अंतर हो लेकिन हमारा भाव उसी निराकार पारब्रह्म परमपिता परमात्मा से अनवरत लगन होने का होना चाहिए। इस मौके पर मुख्य यजमान के रूप में विकास जायसवाल व उनकी पत्नी, राधेश्याम शुक्ला व उनकी पत्नी, शांति प्रसाद चौरसिया आदि लोग रहे।

सिद्ध पीठ रसमोद कुंज में मनाई गई शरद पूर्णिमा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या। सिद्ध पीठ रसमोद कुंज में शरद पूर्णिमा पर रसमोद कुंज में भगवान कि दिव्य झांकी सजाई गई ठाकुर जी को मंदिर परिसर के आंगन में चंद्रमा की चांदनी में निकल गया नाना प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया गया खासकर इस दिन ठाकुर जी को दूध की खीर का भोग लगाया गया और उत्सव में उपस्थित सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि ऐसी मान्यता है कि इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट रहते हैं और अमृत वर्षा करते हैं। यही कारण है कि सभी मंदिरों में शरद पूर्णिमा पर भगवान को मंदिर के आंगन में निकाला जाता है जिससे ठाकुर जी पर चंद्रमा का सीधा प्रकाश पड़े और खीर का भोग लगा करके प्रसाद वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में शरद पूर्णिमा का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सुबह से कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी शाम होते ही भव्य झांकी सजाई गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित हुए और ठाकुर जी की दिव्य झांकी देखकर गदगद हो गए।इस अवसर पर व्यास ओंकार, व्यास राघवेंद्र शरण, संजय झा, सुबोध झा, माधव झा, ऋषि झा, व्यास सीताराम दास, व्यास राधेश्याम दास, डॉ. सूरज चित्रकूट, पवन मिश्रा समस्तीपुर, चक्रवर्ती शरण, पुजारी रामस्वरुप शरण व पुजारी आकाश शरण सहित सैकड़ो भक्त एवं माताएं बहने उपस्थित रहे।

आनलाइन हाजिरी के विरोध में एएनएम ने किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता—बलरामपुर। ऑनलाइन हाजिरी एवं अपनी अन्य मांगों को लेकर जिले भर की एएनएम ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। आक्रोशित एएनएम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गईं। विरोध प्रदर्शन के उपरान्त स्वास्थ्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन सीएमओ को सौंपा गया। जिसमें ऑनलाइन हाजिरी के आदेश को तत्काल वापस लिए जाने की मांग की गई है। एएनएम के प्रदर्शन से जिले की कई स्वास्थ्य सेवाएं ठप रहीं। ऑनलाइन हाजिरी को लेकर पिछले कई दिनों से एएनएम में आक्रोश था। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य एनएएम एएनएम कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। जिले भर में तैनात करीब 250 से अधिक एएनएम ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। एएनएम की मांग थी कि नौ अक्टूबर 2024 को जारी आदेश को तत्काल वापस लिया जाए तथा उनकी अन्य समस्याओं का भी निस्तारण किया जाए। धरना प्रदर्शन में शामिल एएनएम ने बताया कि लम्बे समय से उनकी समस्याओं का कोई निस्तारण नहीं हो रहा है। इस बीच सरकार ने ऑनलाइन हाजिरी का नया आदेश जारी कर दिया है। एएनएम का कहना था कि गृह जनपद में स्थानांतरण न होने, समान कार्य समान वेतन न मिलने तथा स्थाई एएनएम कर्मियों के वेतन को 2800 के पे–ग्रेड के आधार पर परिवर्तनीय महंगाई भत्ते के साथ गणना का भुगतान करने की समस्या से वह पहले ही जूझ रही हैं। सरकार उनकी इस लम्बित समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है, जबकि एएनएम स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं। उनका यह भी कहना था कि एएनएम विपरीत परिस्थितियों में काम करती हैं। प्रतिदिन दो फोटो अपलोड करने का आदेश पूरी तरह से अव्यवहारिक है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि अधिकांश उपकेन्द्र दूर दराज ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हैं, जहां पर नेटवर्क की भी समस्या रहती है। घंटो प्रदर्शन के बाद स्वास्थ्य मंत्री को संबोधित ज्ञापन एएनएम ने सीएमओ को सौंपा। प्रदर्शन में मुख्य रूप से एएनएम निशा, रीना, शशिकृत, प्रियंका सिंह, दीपिका, अल्का, सरिता, अनीमा, रुखसाना, चन्द्ररेखा, प्रमिला, सोनी व सरिता गौड़ समेत भारी संख्या एएनएम मौजूद थीं।

सोलह कलाओं से पूर्ण, अमृत बरसाते हैं शरद पूर्णिमा के चंद्रमा –अधिकारी स्वामी छविराम दास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
अयोध्या।जीवन में आनंद, उत्सव और राग की प्रतीक है शरद पूर्णिमा। और ये सब जीवन में तभी आते हैं, जब आप निरोगी हों। शरद पूर्णिमा हमें स्वस्थ और निरोग रखने का दिन है। इस दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। इसलिए मंदिर और घरों में लोग इस रात्रि को खीर बनाकर चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं, ताकि उसमें चंद्रमा की सुधामयी किरणों का प्रभाव आ जाए। चंद्रमा का जन्म समुद्र मंथन से हुआ था। समुद्र के इसी मंथन से देवी लक्ष्मी भी प्रकट हुई थीं और उन्होंने भगवान विष्णु का वरण किया था। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन ही देवी लक्ष्मी का जन्म हुआ था। समुद्र मंथन से उत्पन्न होने के कारण लक्ष्मी और चंद्रमा में भाई–बहन का रिश्ता माना जाता है। परंतु दक्षिण भारत में लक्ष्मी का जन्म फाल्गुन पूर्णिमा के दिन माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करने के लिए आती

हैं और धर्मपूर्वक जीवन व्यतीत करनेवालों को अपना आशीर्वाद देती हैं। लोग उनके स्वागत में घरों में दीप जलाते हैं। इसी दिन चंद्रमा अपनी बहन से मिलने पृथ्वी के और निकट आ जाते हैं, लेकिन वे अकेले नहीं आते। अपने साथ अपनी अमृतमयी किरणों का उपहार भी पृथ्वीवासियों के लिए लाते हैं। उक्त बातें प्रसिद्ध पीठ श्री सीतावल्लभ कुंज सत्संग सेवा समिति, अन्नक्षेत्र श्री बड़े हनुमान मंदिर जानकी घाट अयोध्या के अधिकारी स्वामी छविराम दास महाराज ने बताई। श्री महाराज जी ने बताया कि शरद पूर्णिमा पर मंदिर में श्री गुरुदेव भगवान मंदिर के वर्तमान पीठाधीश्वर महंत रामश्रेष्ठ दास महाराज के सानिध्य में भगवान की भव्य झांकी सजाई गई। सुबह पूर्णिमा के अवसर पर पंचामृत से अभिषेक किया गया नवीन वस्त्र धारण कराया गया नाना प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया गया जिसमें मुख्य व्यंजन दूध से बनी खीर है। श्री महाराज जी ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि शरद पूर्णिमा के अवसर पर चंद्रमा भगवान के करने से अमृत की वर्षा होती है और इस दिन खीर बनाकर के अगर व्यक्ति चंद्रमा के चांदनी में रखता है और वह चांदनी खीर में प्रवेश करती है तो आखिर अमित के समान हो जाती है और उसको जो भी व्यक्ति खाता है उसके नाना प्रकार के रोगों का शमन हो जाता है। उन्होंने बताया कि ठाकुर जी को भोग लगा करके खीर चंद्रमा के प्रकाश में रखा गया और इस अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों को खीर प्रसाद दिया गया और भगवान से कामना की गई की सभी के सभी दुखों का निवारण करें।

बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
महराजगंज। सदर की बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ बी आरसी सदर में शुक्रवार से शुरू हुआ जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सदर सोनी कश्यप ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन तथा खेल ध्वजारोहण करके किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ई विवेक गुप्ता भी उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी सदर अंकिता सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामना दिया। कंपोजिट विद्यालय रसूलपुर की छात्राओं ने सरस्वती वंदना ,कंपोजिट विद्यालय रमहौली तथा प्राथमिक विद्यालय दुबौली की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। घोष एवं कलर पार्टी में पूर्व माध्यमिक विद्यालय महाराजगंज प्रथम के बच्चे शामिल रहे ।

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सदर ने कहा कि खेल हमारे जीवन के लिए बहुत आवश्यक है इससे हमारे शरीर का सर्वांगीण विकास होता है तथा एक स्वस्थ नागरिक भी तैयार होते हैं। खेल हमारे जीवन स्तर को बहुत आगे ले जा सकता है। ब्लॉक प्रमुख सदर द्वारा बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु पांच हजार एक रुपए क्रीड़ा समिति को दिया ।

क्षेत्रीय व्यायाम शिक्षक अखिलेश पाठक ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम दिवस पर प्राथमिक तथा जूनियर स्तर पर बालक और बालिकाओं की कबड्डी और खो खो के मैच हुए जिसमें प्राथमिक बालक कबड्डी में खुटहा ने महुअवा को हराकर फाइनल में जगह बनाया

तथा पकड़ी नौनिया ने बागापार को हरा कर तथा दरौली ने खेमपिपरा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाया। प्राथमिक बालिका कबड्डी में खुटहा ने पिपरा बाबू को तथा दरौली ने पकड़ी नौनिया को हरा कर फाइनल में जगह बनाया इसी प्रकार जूनियर बालक कबड्डी में पकड़ी नौनिया ने पिपरा बाबू को तथा खुटहा ने सोनरा को हरा कर फाइनल में जगह बनाया ।प्राथमिक स्तर पर खो खो बालिका वर्ग में खुटहा ने महुअवा को तथा पकड़ी नौनिया ने दरौली को हरा कर फाइनल में जगह बनाया ।जूनियर बालिका खो खो में पकड़ी नौनिया ने बागापार को तथा सोनरा ने महुआवा को हराकर फाइनल में जगह बनाया ।प्राथमिक बालक खो खो में महुअवा ने सोनरा ने तथा पकड़ी नौनिया ने दरौली को हराकर फाइनल में जगह बनाया ।इस प्रकार प्रथम दिवस पर पकड़ी नौनिया ने अच्छा प्रदर्शन किया । योगासन में प्राथमिक विद्यालय नेता सु रुहुरवा ने गोल्ड मेडल जीता। इस अवसर पर बैजनाथ सिंह ,डा0 त्रिभुवन नारायण गोपाल,बलराम निगम, बृजेन्द्र मिश्रा,अमरेंद्र प्रताप , मौसम, नर्वदा चंद,नवनीत पटेल सुजीत कुमार ,नवनीत पाण्डेय,यशवंत राव ,मुकेश कुमार ,राजेश धारियां,कविता गौतम ,दीपाली,कृष्ण कुमार मद्धेशिया,राजकिशोर,साकेत जैन,रवि यादव ,वेद त्रिपाठी,अखिलेश मिश्रा,रामबचन ,गोपाल पटेल,विनोद गुप्ता ,बैजनाथ गुप्ता ,सुनील गौतम,अजय उपाध्याय,प्रमोद कुमार सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन दिवाकर ध्वज सिंह ने किया

कर्मचारी पर लगाया धन उगाही का आरोप

संवाददाता—बलरामपुर। विद्युत विभाग में तैनात जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता का जेब खाली हो रहा है। उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगाने के नाम पर बिजली कर्मियों के विरुद्ध अवैध धन उगाही का आरोप लगाया है। तुलसीपुर नई बाजार चौक हनुमानगढ़ी मंदिर, पुरानी बाजार एवं मिल चुंगी नाका विधायक गली में रहने वाले तमाम लोगों ने बताया कि जो लोग मीटर की जांच करने आते हैं वे मनमानी करते हैं।

बहराइच हिंसाः न्याय नहीं मिला तो परिवार समेत करूंगा आत्मदाह

संवाददाता—बहराइच। रामगोपाल मिश्रा के पिता कैलाशनाथ मिश्रा ने पुलिस कार्रवाई के प्रति असंतोष व्यक्त किया। कैलाशनाथ ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें पूरा न्याय नहीं मिला है। बहराइच हिंसा के पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था। शुक्रवार को इन सभी को सीजेएम के सामने पेश किया गया, और बाद में उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। रामगोपाल मिश्रा के पिता कैलाशनाथ मिश्रा ने कहा कि जिन आरोपियों ने उनके बेटे के साथ हिंसा की उन्हें कठोर सजा मिलनी चाहिए। मृतक की पत्नी, रोली मिश्रा, ने भी न्याय की मांग करते हुए दोषियों को सख्त दंड देने की बात की है। हिंसा में मारे गए युवक के पिता ने बयान जारी कर कहा कि हम पुलिसिया कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। अगर हमें न्याय न मिला तो मैं परिवार के साथ आत्मदाह कर लूंगा।

गन्ना चेयरमैन ने कार्यभार ग्रहण कर की बैठक

संवाददाता—बलरामपुर। सरकारी गन्ना समिति की नव नियुक्त चेयरमैन नीलम सिंह ने शुक्रवार को सहकारी गन्ना समिति लिमिटेट तुलसीपुर कार्यालय पर कार्यभार ग्रहण किया। इसी के साथ ही गन्ना चेयरमैन ने प्रथम बोर्ड बैठक में भाग लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि शुक्रवार को गन्ना चेयरमैन नीलम सिंह ने तुलसीपुर कार्यालय पर कार्यभार ग्रहण किया है। बोर्ड बैठक में नीलम सिंह ने किसानों को पूरी तरह आश्वस्त करते हुए उनकी सभी समस्याओं को दूर करने की बात कही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि समिति की अध्यक्षा नीलम सिंह गन्ना किसानों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ निस्तारण कराएंगी। समय पर गन्ना मूल्य का भुगतान, गन्ना पर्ची व घटतौली आदि समस्याओं को रोकने के लिए सार्थक प्रयास करेंगी। कहा कि भाजपा सरकार किसानों की सच्ची हितैशी है।

मोबाइल फोन चुराने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा पुलिस ने दुकान से मोबाइल चोरी करने के एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के पास से पुलिस ने चोरी का मोबाइल फोन बरामद कर लिया। थानेदार संजय कुमार मिश्रा ने बताया कि देवरिया जिले के भलुअनी थानाक्षेत्र के कर्मातार निवासी विष्णु गुप्ता को गिरफ्तार कर कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। उसने एक दुकान से मोबाइल चोरी की थी। आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया।

पंगत में खाने के दौरान मारपीट, तीन पर केस दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के बालखुर्द निवासी छब्बपति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह पंगत में खाना खा रहे थे, इसी बीच कुछ युवक आए और गाली देने लगे। उनके पुत्र मनोज ने गाली देने से मना किया तो सूरज पासवान, श्यामू पासवान, नेबूलाल पासवान लाठी–डंडा से मारने लगे। लोग इक्कठा हुए तो जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस तहरीर के आधार पर सभी आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

दुष्कर्म करने का आरोपित गिरफ्तार,भेजा गया जेल

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने व पॉक्सो के आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। क्षेत्र के एक गांव की युवती का आरोप है कि 26 अगस्त को उसकी 14 वर्षीय बहन घरवालों को बिना बताए सराय गुलरिहा की तरफ निकली थी, जिसके बाद घर नहीं लौटी। पीड़िता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस केस दर्ज कर किशोरी की तलाश कर रही थी। पुलिस के मुताबिक, किशोरी की मुलाकात बस स्टेशन पर पश्चिमी चंपारण,बिहार के ग्राम बलडीह दुबे थाना नवलपुर निवासी परशुराम महतो से हुई थी। आरोपित युवक रुस्तमपुर में भाई के साथ रहता था। किशोरी को एक घंटे की बातचीत में ही बहला फुसलाकर युवक बिहार लेकर चला गया था। गुलरिहा पुलिस ने किशोरी को बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी से दुष्कर्म की बात सामने आने पर पॉक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धारा बढ़ाते हुए आरोपित को कोर्ट में पेश किया। जहां उसे जेल भेज दिया।

कार में रोलर से टक्कर मारकर चढ़ाने की कोशिश का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के रामपुर रकबा निवासी करुणेश पांडेय ने रोड रोलर को चढ़ाने की कोशिश का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पुलिस को तहरीर देकर करुणेश ने बताया कि गुरुवार को अपने चारपहिया वाहन से अपने घर से फुटहवाइनार जा रहे थे। इसी दौरान डुमरी की तरफ से आ रहे रोड रोलर ने जोरदार टक्कर मार दी। अपनी गाड़ी से उतरकर जब रोलर ड्राइवर को रोकना चाहा, तो उसने रोलर ऊपर चढ़ाने की नीयत से रोलर उनकी तरफ मोड दिया। इसी बीच एक बाइक से आए संदीप उपाध्याय ने थप्पड़ से मारा। गाली गलौज करते हुए उनके फोन की छीनने लगा, छीनाझपटी में फोन गिरकर टूट गया।

उसका बाजार क्षेत्र में ट्रेन से कट कर महिला की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उसका बाजार रेलवे स्टेशन के उसका राजा रेल क्रॉसिंग के पास एक महिला की शुक्रवार सुबह ट्रेन से कट कर मौत हो गई। पुलिस पहचान करने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे गुजरी ट्रेन की चपेट में एक महिला आ गई। उसकी काटने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसकी पहचान कराई जा रही है।

जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। भानपुर के किसान इण्टर कालेज में चल रहे तीन दिवसीय 68 वीं जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तहसीलदार भानपुर पंकज कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों को मेडल और शील्ड से पुरस्कृत करके उनका हौसला बढ़ाया। जबकि प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल ने किया था। अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बदौलत बस्ती दक्षिणी क्षेत्र 243 अंक पाकर ओवर ऑल जिला चैंपियन बना। 145 अंकों के साथ हरैया दूसरे, 124 अंकों के साथ भानपुर क्षेत्र तीसरे जबकि 78 अंकों के साथ बस्ती उत्तरी चतुर्थ स्थान पर रहा। एक से अधिक खेलों में चैंपियन रहे खिलाड़ियों को तहसीलदार और प्रधानाचार्य अनिल कुमार राय के द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। झिनकू लाल इंटर कॉलेज कलवारी के विकास कुमार ने गोला फेंक, चक्का फेंक,

हैमर थ्रो में प्रथम स्थान, बिहरा के शिवम यादव ने 100, 200 और 400 मीटर में प्रथम स्थान तथा जनता इंटर कॉलेज बारीघाट लालगंज की रंजना ने 100, 200 और 800 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में रहे शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा, अजय कुमार वर्मा, माता प्रसाद त्रिपाठी, शैलेंद्र कुमार, नवनीत पाण्डेय, रमेश गुप्ता, अमित कुमार यादव, अरुण कुमार, विवेक श्रीवास्तव, प्रदीप त्रिपाठी, अमरनाथ मौर्या को पुरस्कृत किया गया। तहसीलदार ने कहा कि खेल से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। विद्यार्थी खेल को कैरियर के रूप में अपनाकर अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। प्रधानाचार्य अनिल कुमार राय ने सफल आयोजन के लिए सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर संतोष कुमार पाण्डेय, अरुण कुमार, वेद प्रकाश द्विवेदी, सरिता यादव, कृष्ण कुमार पाठक, प्रदीप कुमार त्रिपाठी, सुरजीत यादव, सुरेंद्र शुक्ल, संजय कुमार पाण्डेय, राम कृष्ण शुक्ल, विभाकर शुक्ल, राम लखन पाठक, संतोष कुमार मिश्र, अरुण कुमार तिवारी, राजकुमार ओझा आदि उपस्थित रहे।

आग लगने से लाखों का नुकसान

संवाददाता–अयोध्या। इनायत नगर थाना क्षेत्र के शाहगंज चौकी अंतर्गत बाजार के हाइडल गली में आग लग जाने से गृह स्वामी की गृहस्ती जलकर खाक हो गई। काफी प्रयास के बाद किसी तरह फायर ब्रिगेड ने आग को बुझाया। लेकिन तब तक गृहस्थी का सामान जलने के साथ के साथ एक गोवंश की मौत हो चुकी थी। शाहगंज चौकी इंचार्ज राम मूर्ति कनौजिया ने बताया कि बाजार निवासी किशोरी प्रसाद चौरसिया गली में जनरल स्टोर व कॉस्मेटिक की दुकान चलाते हैं। गुरुवार को रात में दुकान बंद करके वे घर चले गए तभी लगभग मध्यरात्रि दुकान में अचानक धुआं उठने लगा। लोग जब तक कुछ समझ पाते तब तक दुकान व दुकान के पीछे बने गोशाला को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। वहां बंधे अन्य जानवरों को लोगों ने किसी तरह खोल दिया, लेकिन आग की लपटों के बीच फंसी एक सात माह की बछिया की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड व स्थानीय चौकी पर दी। पीड़ित ने बताया कि दुकान में लगभग एक लाख का सामान जलकर खाक हो गया।

स्कूली छात्र बने कैरियर, देशभर में बेच रहे अश्लील वीडियो, तमिलनाडू पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता–गोरखपुर। जिले के स्कूलों के कुछ छात्रों के नाम देश भर में बच्चों के अश्लील वीडियो बेचने में सामने आया है। सबसे पहले तमिलनाडू पुलिस का ऐसे वीडियो मिले। जो गोरखपुर के छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट से भेजे गए थे। जांच में यह सच सामने आने पर तमिलनाडू पुलिस ने प्रदेश के मुख्यालय में यह सूचना दी। जिसके बाद साइबर थाने के प्रभारी की तत्परता से कुनराघाट के एक स्कूल में 11 वीं में पढ़ने वाले चौरीचौरा का छात्र पकड़ा गया। छात्र पर केस दर्ज कर उसे बाल संरक्षण गृह भेजा गया। जिले की साइबर थाने की पुलिस ने छात्र से पूछताछ की तो कई हैरान कर देने वाली बातें सामने आईं हैं। राज तिवारी नाम का सरगना जिले के कई स्कूलों के छात्रों को कैरियर के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। पूछताछ के बाद गोरखनाथ इलाके के एक छात्र का भी नाम सामने आया है। उसने भी 100 से अधिक बच्चों के अश्लील वीडियो देश भर में बेचे हैं। पुलिस का कहना है कि एक बड़ा गिरोह ये काम कर रहा है। स्कूल में पढ़ने वाले भोले भाले नाबालिग छात्रों को सोशल

मीडिया पर थोड़े रुपये का लालच देकर गलत काम करवा रहा है। जबकि छात्रों का अकाउंट इस्तेमाल कर सरगना खुद मोटी रकम कमा रहा है। 11 वीं के छात्र ने पुलिस को बताया कि टेलीग्राम पर उसकी दोस्ती राज नाम के युवक से हुई। वह उसे पोर्न वीडियो का लिंक देता था। जिसे टेलीग्राम पर डार्क वेब सेलर की मदद से वह बेचता था। वीडियो तीन से 15 हजार रुपये तक में बेचा जाता था। जिसमे से छात्र को 30 प्रतिशत लाभ मिलता था। छह माह से वह राज के साथ जुड़कर काम कर रहा था। उसने पुलिस को कई और लोगों के नाम बताए हैं।

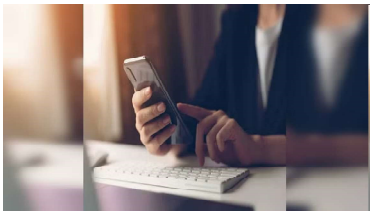

चौरी चौरा क्षेत्र में रहने वाले 11वीं के छात्र के पिता ने बताया कि मोबाइल पढ़ने के लिए दिलाया था। बेटा उसका गलत इस्तेमाल करने लगा। मेरा परिवार बहुत ही साधारण है। खेती किसानी के जरिए परिवार का जीवन यापन होता है। इसके बाद भी बेटे को इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला दिलाया। बेटे की इस हरकत से पूरा परिवार मायुष है।

सुधीर कुमार जायसवाल, एसपी क्राइम ने कहा कि छात्र का मोबाइल कब्जे में ले लिया गया है। उससे भी कुछ जानकारी मिली है। इस आधार पर सरगना की तलाश चल रही है। बहुत जल्द उसे पकड़ लिया जाएगा।

अयोध्या में दीपोत्सवः दो किमी तक फैलेगी दीपों की आभा, इस बार कर सकेंगे ऑनलाइन दीपदान, घर आएगा प्रसाद

संवाददाता–अयोध्या। दीपोत्सव के लिए अयोध्या को सजाने का काम तेज कर दिया गया है। अयोध्याधाम में दो किलोमीटर तक दीपोत्सव की आभा बिखरती नजर आएगी। रामपथ से लेकर धर्मपथ तक भव्य लाइटिंग की जा रही है। रामायण युग का अहसास कराते गेट भी बनाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी पर लक्ष्मण व सीता द्वार का निर्माण अंतिम चरण में है। 25 अक्टूबर तक अयोध्याधाम को सजाने का काम पूरा कर लिया जाएगा। लंका विजय कर 14 वर्ष के बाद अयोध्या लौटे श्रीराम के स्वागत में अयोध्या जिस आनंद में लीन थी, उनके अभिनंदन में अयोध्या को जिस तरह सजाया–संवारा गया था, कुछ उसी तरह के दृश्य जीवंत करने में शासन–प्रशासन जुट गया है। दीपोत्सव में अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कदम–कदम पर रामायण युग का अहसास होगा। धर्मपथ और रामपथ को भी जगमग किया जाएगा। इसके लिए लखनऊ के ताज रेडियो एंड इलेक्ट्रिक कंपनी को लाइटिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। राम कथा पार्क के पास इलेक्ट्रीशियन कैंप लगा कर लाइटों को तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

रामपथ और धर्मपथ के साथ लगभग दो किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य लाइटिंग की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है। डेकोरेटिव वॉल, इलेक्ट्रिक गेट और आर्टिफिशियल इलेक्ट्रिक लाइटों से पिलर को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा रामकथा आधारित

करीब 30 प्रवेश तोरण द्वार भी धर्मपथ से लेकर रामकथा पार्क तक बनाए जाएंगे। इन पर रामकथा के दृश्य दिखाए जाएंगे। सरयू के घाटों पर भी भव्य तोरण द्वार बनाए जाएंगे जो घाटों की आभा बढ़ाएंगे। दीपोत्सव में सरयू के पुराने पुल पर आतिशबाजी भी की जाएगी। पर्यटन अधिकारी राजेंद्र प्रसाद यादव ने बताया कि दीपोत्सव में विभिन्न प्रकार की झांकियां का भी आयोजन किया जाएगा। सूचना और पर्यटन विभाग की ओर से झांकियों को तैयार करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। 30 अक्टूबर को साकेत महाविद्यालय में रामायण कालीन प्रसंग मंचन करने के लिए 18 झांकियां बनाई जा रही हैं, जिसमें 11 झांकियां सूचना विभाग और सात झांकियां पर्यटन विभाग की ओर से तैयार की जाएंगी। यह झांकियां सामाजिक संदेश भी देती नजर आएंगी। दीपोत्सव में छह देशों की रामलीला का भी आयोजन किए जाने की तैयारी है। हालांकि अभी इसकी रूपरेखा तैयारी नहीं हो सकी है। वहीं साकेत महाविद्यालय में बन रही झांकियों पर कलाकार प्रस्तुतियां देंगे। विभिन्न प्रदेशों के करीब 600 कलाकारों अपने–अपने प्रदेशों की लोक संस्कृतियों की प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा अयोध्या में जगह–जगह सांस्कृतिक मंच भी सजेंगे। दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी को सजाने का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। यहां 15 हजार क्षमता की दर्शक दीर्घा बनकर तैयार है। राम की पैड़ी का मुख्य आकर्षण श्रीराम, सीता व लक्ष्मण द्वार होगा, जो लगभग बनकर तैयार है। हर एक दीवाल 250 वर्ग मीटर में बनी है। जिस पर रामकथा को दर्शाया गया है। दर्शक दीर्घा में सीढ़ियों का निर्माण पूरा हो चुका है। दीपोत्सव में इस बार राम की पैड़ी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होगी। वहीं सरयू के घाटों पर आरती के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, मंच बनाया जाने लगा है। विकास प्राधिकरण की ओर से दीपोत्सव–2024 के अवसर पर एक दीया प्रभु श्री राम के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है। 30 अक्टूबर को दीपोत्सव का आयोजन होना है। देश–विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु इस महोत्सव में शामिल होने आएंगे। बहुत से श्रद्धालु इस महापर्व पर नहीं आ पाते, लेकिन वे ऑनलाइन दीपों का दान कर महापर्व का हिस्सा बन सकते हैं। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि इस कार्यक्रम में देश–विदेश में बैठे श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यम से अपने स्वेच्छानुसार राशि दान स्वरूप दे सकेंगे। देश–विदेश के श्रद्धालु अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव का हिस्सा बन सकते हैं, जिसके प्रतिफल में उन्हें प्रसाद भी भेजा जाएगा। प्रसाद को उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से निर्मित किया जाएगा। दिव्य अयोध्या डॉट कॉम लिंक पर जाकर इच्छुक श्रद्धालु दान कर सकते हैं।

बदलते मौसम से सुबह–शाम और रात में हो रही है सिहरन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में क्वार का महीना समाप्त होने के साथ मौसम में बदलाव का असर दिखने लगा है। इससे सुबह–शाम और रात में सिहरन हो रही है। इसके साथ ही ठंडी का मौसम आने की आहट मिलने लगी है। दिन में भी गर्मी कम होने लगी है। गर्मी और उमस से परेशान लोगों के लिए मौसम अब राहत लेकर आ रहा है। लेकिन इसके साथ ही ठंड का असर बढ़ने लगा है। दिन ढलने के बाद दिन गर्मी सिहरन में बदल जा रही है। हल्की हवाओं से रात में भी सिहरन हो रही है। रात में अब पंखे की जरूरत कम पड़ने लगी है। जो लोग पंखा चला रहे हैं वे ओढ़ने का इंतजाम कर सो रहे हैं। इसका असर सुबह के समय गहरा जा रहा है। भोर व सुबह के समय टहलने निकलने वाले लोग जो अब तक हल्के कपड़े में नजर आते थे वे अब पूरे कपड़े में नजर आते हैं। दूसरी ओर दिन और रात के मौसम में उतार–चढ़ाव के चलते लोग बीमार हो रहे हैं। तापमान में लगातार उतार चढ़ाव की वजह से सर्दी, जुकाम, बुखार की बीमारी तेजी से फैल रही है। दिन का तापमान अधिक होता है और रात के तापमान में तेजी से कमी हो रही है। शाम के समय सोते समय लोग पंखा चला रहे हैं और आधी रात के बाद तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के करीब आ जा रहा है। लगातार सर्द–गर्म होने की वजह से सर्दी, जुकाम बुखार की बीमारी तेजी से फैल रही है। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने की वजह से सर्दी और यही सर्दी बिगड़ने पर निमोनिया में तब्दील हो जाती है। बाल रोग विशेषज्ञ डा. डीपी सिंह ने बताया कि इस प्रकार के मौसम में पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए।

40 फिट गहरे कुएं में कूदकर युवक ने बच्चे की बचाई जान, एसएसपी ने किया सम्मानित

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के रामपुर पांडे गांव में 6 वर्षीय अरुण चौहान को वहीं के रहने वाले अतुल पांडे ने 40 फीट गहरे पानी भरे कुएं में फेंक दिया, इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिए। शोर सुन गांव के ही प्रमोद ने कुएं में कूदकर बच्चे को सकुशल बाहर निकाला।सूचना मिलने पर खजनी थाना प्रभारी सदानंद फोर्स के साथ पहुंचकर बच्चे को जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराए। डॉक्टरों ने त्वरित इलाज कर बच्चे की जिंदगी बचाए। विनोद चौहान का बेटा अरुण (6 वर्ष) घर के सामने बने कुएं के पास खेल रहा था गांव का ही नशेड़ी अतुल पांडे बच्चे को उठाकर 40 फीट गहरे कुएं में फेंक दिया। बच्चे को फेंकता हुआ देख महिलाओं ने शोर मचाना शुरू किया, पास ही गांव का प्रमोद बहादुरी का परिचय देते हुए 40 फीट पानी से भरे गहरे कुएं में कूद गया और बच्चे को सकुशल कुएं से बाहर निकाल लाया। बच्चा पेट में पानी चले जाने के कारण बेसुध हो गया था। सूचना पर तत्काल खजनी थाना प्रभारी हमराहियों के साथ एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के निर्देश पर बच्चे को तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।डॉक्टरों ने बच्चे को तत्काल आईसीयू में भर्ती किया और चौबीस घंटे मॉनिटरिंग कर डिस्चार्ज कर दिया। वर्तमान में बच्चे को सीएचसी खजनी पर भर्ती रखा गया है। बच्चे को बचाने वाले युवक प्रमोद को एसएसपी ने अपने आफिस बुलाकर प्रशस्ति पत्र और एक हजार रुपये नगद देकर सम्मानित किया। इतना ही नहीं शासन में भी बात कर उसे वीरता पुरस्कार देने की बात की।खजनी पुलिस ने बच्चे को कुएं में फेंकने वाले अतुल पांडे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मत्स्य पालकों को आवंटित किए गए तालाब के पट्टे

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। तहसील सभागार में तहसीलदार उतरौला सत्यपाल प्रजापति की अध्यक्षता में मत्स्य पालन को लेकर शुक्रवार को दस वर्षीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान इच्छुक मत्स्य पालकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। छोटे तालाबों के लिए एक से अधिक आवेदन पड़ने पर दोनों आवेदक के बीच बोली कराई गई। अधिकतम बोली लगाने वाले के पक्ष में लगान की धनराशि जमा करवाकर पट्टा दिया गया। साथ ही एकल आवेदन जमा होने पर उनसे नियमानुसार लगान जमा कराकर पट्टा दिया गया। बड़े तालाबों पर एक से अधिक मत्स्य जीवी समितियों के भाग लेने पर उसके सत्यापन के लिए मत्स्य विभाग बलरामपुर से रिपोर्ट आने के बाद निस्तारित करने की बात कही गई। शिविर कैंप में राजस्व निरीक्षक रमेश सिंह, सहायक राजस्व निरीक्षक जितेंद्र कुमार त्रिपाठी, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक राजेश कुमार चौधरी, मछुआ प्रतिनिधि भृगनाथ निषाद व लेखपाल चांद बाबू आदि मौजूद रहे।

डीडीयू में चला स्वच्छता अभियान

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष व नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर प्रो. अजय कुमार शुक्ला के नेतृत्व में शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। अंग्रेजी विभाग के छात्रों ने विभाग के तल की सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरुक किया। स्वच्छता की शपथ भी ली।

प्रो. शुक्ला ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर एवं शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस तरह के अभियान विद्यार्थियों में सामुदायिक सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को प्रबल करते हैं। नगर निगम गोरखपुर ने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से एमएएमयूटी, एमएमएमयूटी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी और माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर अपने–अपने स्तर पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित करने और इसके लिए स्वच्छता अभियान के ब्रांड एम्बेसडर को आमंत्रित करने का आग्रह भी किया है।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री समीउल्लाह अंसारी पुत्र श्री अब्दुल रशीद, प्रबन्धक / सचिव की हैसियत से संस्था जामानूर मस्जिद, ग्राम–अशोकपुर, पोस्ट–रघुनाथपुर, तहसील–हरैया, जनपद– बस्ती के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री अब्दुल रशीद–अध्यक्ष 2. श्री सफीउल्लाह–उपाध्यक्ष 3. श्री समीउल्लाह अंसारी–प्रबन्धक / सचिव 4.श्री इरसाद अहमद–उपप्रबन्धक 5. श्री मोहम्मद निस्कीन–कोषाध्यक्ष 6. श्री रमजान अली–सदस्य 7.श्री मोहम्मद शाकिब–सदस्य दर्शाये गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से

(बी0के0सिंह)

सहायक रजिस्टार

गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 241 / 2024

आकाश चौधरी–सायल

1 आकाश चौधरी उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र केसरी प्रसाद साकिन कलिगड़ा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हरैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 14–11–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 14–11–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती

स्थानान्तरण प्रार्थना पत्र संख्या 154 / 2024

सूर्यप्रकाश पाण्डेय

बनाम

श्रवण कुमार आदि

1. श्रवण कुमार उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र बलराम 2. पवन कुमार उम्र लगभग 27 वर्ष पुत्र बलराम 3. श्रीमती मंजू उम्र लगभग 62 वर्ष पत्नी बलराम 4. कृष्ण कुमार उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र अवध नरायन

–विपक्षीगण प्रथम वर्ग

5. कपिलदेव उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र शारदा प्रसाद 6. जगदम्बा प्रसाद उम्र लगभग 85 वर्ष पुत्र तीरथराज साकिनान टीकाजोत तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हरैया जिला–बस्ती

–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 08–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 08 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदां की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलःbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com